आईआईटी लाया पारंपरिक इंयूल डिग्री का 'नया अवतार'

देश के अधिकतर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने पढ़ाई का तरीका बदलते हुए अपने पुराने पांच साल के इंयूल डिग्री कोर्स के स्थान पर समय की मांग को देखते हुए एक नया स्मार्ट इंटरडिसिप्लनरी कोर्स लॉन्च किया है। यह पारंपरिक इंयूल डिग्री कोर्स के नए अवतार जैसा है। पांच वर्षीय कोर्स में जहां छात्र एक ही विषय में अपनी जड़ें गहरी करते थे, नया दोहरी डिग्री पाठ्यक्रम कहीं अधिक स्तरीय और रोजगार उन्मुख है। इसके पीछे सोच यह है कि आज की नौकरी में सिर्फ डिग्री काफी नहीं है। आईआईटी ऐसे इंजीनियर बनाना चाहती है, जो कई क्षेत्रों की समझ रखें। यह छात्रों को दो तरह की दुनिया को समझने और उनके बीच अपनी बुद्धिमता विकसित करने का अवसर प्रदान करने जैसा है। एक क्षेत्र में स्नातक और दूसरे में स्नातकोत्तर। मसलन मैकेनिकल इंजीनियरिंग और रोबोटिक्स अथवा भौतिकी के साथ डेटा विज्ञान की पढ़ाई।

- मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार

इसलिए महसूस की गई सुधार की जरूरत

पहले जिन छात्रों को बीटेक में सीधे दाखिला नहीं मिल पाता था, वह पांच साल के इंयूल डिग्री कोर्स को चुन लेते थे। इसमें बीटेक और एमटेक की डिग्री एक साथ मिलती थी। ऐसा देखा जाता था कि बीटेक छात्र तीसरे वर्ष तक इंटर्नशिप और उद्योग का अनुभव प्राप्त करके नौकरी के लिए साक्षात्कार देने लायक हो जाते थे, इसके मुकाबले पांच वर्ष का इंयूल कोर्स करने वाले छात्र नियोक्ता को ज्यादा आकर्षित नहीं कर पा रहे थे। कई आईआईटी ने पाया कि इंयूल डिग्री प्रोग्राम विसंगति से ग्रस्त है। इसमें प्रवेश लेने वाले छात्र चौथे साल तक अपने बीटेक साथियों को स्नातक होते और नौकरी की दुनिया में कदम रखने की तैयारी करते देखते थे, जबकि उनके पास करियर के लिए एक साल बाकी होता था। इससे ज्यादातर छात्रों को पांचवां साल बोझ लगने लगता था। इसी कारण कई छात्रों ने जल्दी पढ़ाई छोड़ने की मांग करते हुए अपनी इंयूल डिग्री को साधारण बीटेक में बदलने का आग्रह तक किया था।

छात्रों के लिए पूरी तरह लचीला, मॉड्यूलर विकल्प एक नया मॉडल

इंयूल डिग्री की अवधारणा पूरी तरह से छोड़ने के बजाय, कई आईआईटी ने इसे नए सिरे से परिभाषित किया है। नया मॉडल छात्रों को चार साल के बीटेक से शुरुआत करने और बीच में, आमतौर पर दूसरे या तीसरे साल के बाद, शैक्षणिक प्रदर्शन और बदलती रुचियों के आधार पर, एक अतिरिक्त मास्टर डिग्री चुनने की अनुमति देता है। यह संरचना छात्रों को एआई, डेटा साइंस, रोबोटिक्स जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए सक्षम बनाती है, जो अक्सर उनकी मुख्य शाखाओं से अलग होते हैं। जैसे कि एक मैकेनिकल इंजीनियरिंग छात्र ऊर्जा प्रणाली में विशेषज्ञता हासिल कर सकता है या जैव प्रौद्योगिकी छात्र कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में करियर के लिए डेटा विज्ञान में एमटेक कर सकता है। छात्र दो-दो अलग-अलग विषयों को साथ पढ़ सकेंगे। जैसे मैकेनिकल के साथ रोबोटिक्स, फिजिक्स के साथ डेटा साइंस या केमिस्ट्री के साथ क्वांटम कंप्यूटिंग। इससे करियर में उन्हें ज्यादा मौके मिलेंगे।

आज के इंजीनियर को दो क्षेत्रों की समझ होना बेहद जरूरी

आईआईटी के प्रोफेसरों ने महसूस किया कि आज के इंजीनियर को सिस्टम बनाना है, जिसके लिए उसे दो क्षेत्रों की समझ होना जरूरी है। भविष्य क्रॉस परागणकर्ताओं का है, एक वह लोग हैं, जो एक धारा में दृढ़ता से जमे हुए हैं या फिर दूसरी में भी पारंगत हैं। एक मैकेनिकल इंजीनियर जो रोबोटिक्स की भाषा बोलता है। एक रसायन विज्ञान स्नातक जो क्वांटम कंप्यूटिंग की जटिलताओं को समझ रहा है। इसी आवश्यकता के तहत पांच वर्षीय इंजीनियरिंग कार्यक्रम को एक बहु विषयक दोहरी डिग्री के रूप में पुनर्कल्पित किया गया। इसका उद्देश्य गहराई को त्यागना नहीं, बल्कि अपनी जड़ों का विस्तार करना है।

बीटेक की चाहत के आगे पांच साल का इंयूल डिग्री कोर्स था थकाऊ

सामान्यतया छात्र प्रवेश के दौरान पांच वर्षीय एकीकृत इंयूल डिग्री प्रोग्राम की तुलना में चार वर्षीय बीटेक में अधिक रुचि दिखाते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि पांच साल लंबा समय होता है और इस दौरान इंयूल डिग्री में दाखिला लेने वाले तमाम छात्रों की रुचि कम हो जाती थी या उनका शैक्षणिक रुझान या करियर का लक्ष्य बदल जाता था। दरअसल ज्यादातर युवा अपनी पढ़ाई पूरी करके नौकरी या शोध की चाहत लेकर आते हैं। कोई भी छात्र पांच साल तक संस्थान में नहीं रहना चाहता है।

ब्रांड टैग-प्लेसमेंट वैल्यू के लिए छात्र चुन लेते थे इंयूल डिग्री

आईआईटी में ब्रांच या प्रोग्राम चुनते समय एक स्पष्ट क्रम रहता है। इसमें जरूरी नहीं है कि छात्र अपनी शैक्षणिक रुचि के आधार पर ही चुनाव कर पाएं, होता यह है कि जेईई रैंक के आधार पर उन्हें जो सर्वश्रेष्ठ मिलता है, उसके आधार पर चुनाव करते हैं। जो छात्र चार वर्षीय कंप्यूटर साइंस में दाखिला नहीं ले पाते थे, वह ब्रांड टैग या प्लेसमेंट वैल्यू के लिए पांच वर्षीय कोर्स चुन लेते थे, लेकिन अगर उन्हें विकल्प दिया जाए, तो वह चार वर्षीय कोर्स में ही पढ़ाई छोड़ देना पसंद करते हैं। पांच साल के लंबे इंयूल डिग्री कोर्स में अक्सर पांचवें साल में प्लेसमेंट कमजोर हो जाती थी, लेकिन नए कोर्स में तीसरे साल तक बीटेक पूरा होने के बाद एमटेक का विकल्प रहेगा, जिससे समय व मेहनत बचेगी। कोई भी छात्र तीसरे साल के बाद एमटेक में शिफ्ट हो सकेगा। इससे उसे अपनी पसंद का रास्ता चुनने की आजादी मिलेगी।

जॉब अलर्ट

आरबीआई

आरबीआई में ग्रेड बी ऑफिसर बनने के लिए करें आवेदन

- कुल पद -120
- आयु सीमा – 21 से 30 वर्ष
- योग्यता - स्नातक
- वेबसाइट - opportunities.rbi.org.in पर आवेदन करें।
- अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2025

डीएसएसएसबी

डीएसएसएसबी ने निकाली केयरटेकर की वैकेंसी

- कुल पद- 114
- आयु सीमा-18 से 27 वर्ष
- न्यूनतम योग्यता - 10 वीं पास तथा पंजीकृत संस्थान में न्यूनतम छह माह केयरटेकर पद पर कार्य का अनुभव।
- वेबसाइट- dsssb.delhi.giv.in
- आवेदन की अंतिम तिथि- 16 सितंबर, 2025

दिल्ली में फॉरेस्ट गार्ड बनने के लिए करें आवेदन

- कुल पद -52
- योग्यता- इंटरमीडिएट
- आयु सीमा- 18 से 35 वर्ष
- वेबसाइट – dsssb.delhi.gov.in

एलआईसी

एलआईसी एचएफएल में अप्रेंटिस पदों पर सीधी भर्ती

- कुल पद-192
- योग्यता- स्नातक
- आयु सीमा- 20 से 25 वर्ष
- अंतिम तिथि - 22 सितंबर, 2025

आईबी

भारत के खुफिया विभाग (आईबी) में जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर बनने का मौका

- कुल पद - 394
- योग्यता-विज्ञान में स्नातक (इलेक्ट्रानिक्स, सीएस, फिजिक्स) अथवा इलेक्ट्रानिक्स या इलेक्ट्रानिक्स टेलीकम्यूनिकेशन या इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रनिक्स अथवा कम्प्यूटर साइंस में डिप्लोमा
- आयु सीमा- 18 से 27 वर्ष
- अंतिम तिथि- 14 सितंबर, 2025
- वेबसाइट - www.ncs.gov.in. या www.mha.gov.in

आज के समय में ज्यादातर साइंस स्टूडेंट्स जहां 12वीं के बाद बीटेक को ही पहला विकल्प मानते हैं, वहीं कॉमर्स स्ट्रीम के छात्र-छात्राएं इस उलझन में रहते हैं कि बारहवीं कक्षा पास करने के बाद आगे क्या करें। उनके पास करियर के काफी विकल्प उपलब्ध रहते हैं। 12वीं कॉमर्स के बाद आप बीकॉम ऑनर्स, चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस), बैचलर ऑफ कॉमर्स (बी.कॉम), बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), और बैचलर ऑफ लॉ (एलएलबी) जैसे पारंपरिक कोर्स कर सकते हैं, या फिर डिजिटल मार्केटिंग, फाइनेंसियल एनालिस्ट, और इवेंट मैनेजमेंट जैसे विशेष कोर्स चुन सकते हैं।

12वीं के बाद कॉमर्स स्टूडेंट क्या करें

12वीं कॉमर्स के बाद ट्रेडिंग कोर्स

- बी.कॉम ऑनर्स
- सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंसी)
- कंपनी सेक्रेटरी
- बीई (अर्थशास्त्र स्नातक)
- बीबीए (बैचलर्स ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)
- बीएमएस (प्रबंधन अध्ययन स्नातक)

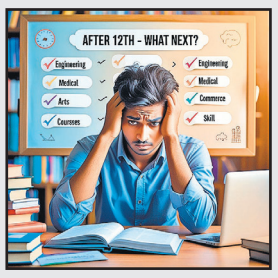

किस कोर्स से क्या फायदा

- चार्टर्ड एकाउंटेंसी एक प्रतिष्ठित कोर्स है जो वित्तीय लेखांकन, कराधान और ऑडिटिंग में विशेषज्ञता प्रदान करता है।
- बैचलर ऑफ कॉमर्स लेखांकन, वित्त, बैंकिंग और बीमा जैसे विषयों में मजबूत आधार प्रदान करता है।
- बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम व्यवसाय प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांतों और कौशल पर केंद्रित है।
- कंपनी सेक्रेटरी कोर्स से आप कॉर्पोरेट कानून और प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।
- बैचलर ऑफ लॉ 5 साल का एकीकृत एलएलबी कार्यक्रम तो कानून की पूरी जानकारी प्रदान करता है।
- बैचलर ऑफ इकोनॉमिक्स यह अर्थशास्त्र में स्नातक की डिग्री है जो छात्रों को बाजार और आर्थिक प्रवृत्तियों को समझने में मदद करती है।
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन कोर्स आईटी क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है।
- डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन मार्केटिंग, एसईओ और सोशल मीडिया मार्केटिंग में विशेषज्ञता के लिए यह एक अच्छा विकल्प है।
- फाइनेंशियल एनालिस्ट का कोर्स आपको वित्तीय विश्लेषण और निवेश प्रबंधन के क्षेत्र में करियर बनाने में मदद करता है।

टूटी नहीं, जुटी रहीं दीपशिखा

स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि खुद में विश्वास, एक ही लक्ष्य पर पूरा ध्यान केंद्रित करना, लगातार प्रयास करना और अपने स्वभाव के प्रति सच्चा रहना आवश्यक है। स्वामी जी के इन्हीं विचारों को दीपशिखा ने अपने जीवन में उतारा। जब कभी निराशा घेरती तो स्वामी विवेकानंद के विचार साधना की दीपशिखा को फिर से प्रज्ज्वलित कर देते। दीपशिखा दत्ता संघ लोग सेवा आयोग से चयनित भारतीय भूविज्ञान सेवा अधिकारी हैं। साल 2022 में पढ़ाई पूरी होते ही दीपशिखा ने यूपीएससी संयुक्त भू-विज्ञानी परीक्षा की तैयारी शुरू की और पहले प्रयास में ही प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो पाया। उस समय दीपशिखा बहुत रोईं थी, उनको लगा कि अब शायद कभी नहीं कर पाएंगी। उस समय अगर माता-पिता और दोस्तों ने हौसला न दिया होता तो शायद वे हार मान लेती। परिणाम देर से आया और उनके पास अगले प्रयास के लिए सिर्फ 20 दिन शेष थे। मन में सवाल था कि 200 सीटों में नहीं हुआ तो 30 सीटों में कैसे चयन होगा? लेकिन फिर दीपशिखा ने खुद को संभाला। अपनी गलतियां सुधारीं, टॉपर कॉपियों से सीखा और इस बार पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया। मेडिटेशन और धैर्य ने उन्हें टूटने से बचाया। नतीजा यह हुआ कि इस बार दीपशिखा ने न सिर्फ मुख्य परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की, बल्कि अखिल भारतीय स्तर पर 8 वीं रैक हासिल करते हुए भारतीय भूवैज्ञानिक सेवा (जीएसआई) में भी चयनित हुईं।

प्रेरणा

छात्रों के लिए टिप्स

पढ़ाई का समय- पढ़ाई में समय की लंबाई नहीं, बल्कि एक दिन में तय किए गए टारगेट और नियमितता जरूरी है। यह महत्वपूर्ण है कि हम रोज तय समय पर पढ़ाई करें और अपने टारगेट पूरे करें।

रिवीजन- तैयारी में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका दोहराने की होती है। अक्सर, हम नए-नए टॉपिक्स पढ़ते जाते हैं और पुराने टॉपिक्स भूलने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने टार्गेट को दो भागों में बांट दें, कुछ नए टॉपिक्स और कुछ रिवीजिन टॉपिक्स। यूपीएससी कंबाइंड जीओसाईटिस्ट एग्जामिनेशन के लिए अगर आप प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम अच्छे से तैयार करना चाहिए।

कोचिंग, किताबें और संसाधन- किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए अच्छी कोचिंग लेना जरूरी है, क्योंकि इससे आपको सही मार्गदर्शन और एक स्पष्ट रास्ता मिलता है। भूविज्ञान जैसे विषय में जिसके बारे में लोगों को कम जानकारी होती है और जिसकी कोचिंग भी बहुत सीमित है, प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक होती है। ऐसे में कोचिंग लेना उपयोगी है। इसके साथ ही आपको भूविज्ञान की स्टैंडर्ड किताबों की जानकारी भी मिलेगी।

काम की बात

इग्नू ने बढ़ाई आवेदन तिथि

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2025 सेशन में स्नातक, स्नातकोत्तर, सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स करने के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। जिन उम्मीदवारों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है, वे अब इग्नू की वेबसाइट ignouadmission.samarth.edu.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। पहले रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई थी। इग्नू में जुलाई 2025 सेशन में रजिस्ट्रेशन करने के लिए सबसे पहले वेबसाइट के होमपेज पर अपने पसंदीदा कोर्स लिंक पर क्लिक करें। न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें। आवश्यक जानकारी दर्ज करके निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान करें। सबमिट करने से पहले फॉर्म में भरी गई जानकारी अच्छे से पढ़ लें। इग्नू में विभिन्न कोर्स में आवेदन करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवारों ने डीईबी आईडी अवश्य बनाई हो। इसके बिना इग्नू द्वारा रजिस्ट्रेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

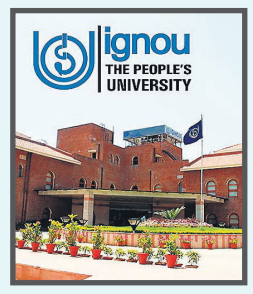

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में कोर्स के लिए 15 तक आवेदन

- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रवेश सत्र जुलाई-2025 के लिए स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, सर्टीफिकेट एवं जागरूकता कार्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। समर्थ पोर्टल पर ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया जारी है। एमए योग में प्रवेश के लिए भी आवेदन की तिथि बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है।

एसएससी ने प्रश्न पत्रों के सोशल मीडिया एनालिसिस पर रोक लगाई

- स्टाफ सेलेक्शन कमीशन एसएससी ने अपने प्रश्न पत्रों का सोशल मीडिया पर एनालिसिस, डिस्कशन या शेयरिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। आयोग ने नोटिस जारी किया है कि ऐसा करने पर एक करोड़ तक का जुर्माना या 10 साल तक की कैद की सजा हो सकती है। एसएससी ने सभी कंटेंट क्रिएटर्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और टीचर्स को सचेत किया है कि वे किसी भी एसएससी परीक्षा के प्रश्न पत्र का डिस्कशन, एनालिसिस आदि शेयर न करें।